कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 18 अंक : 82 कानपुर, रविवार 20 सितम्बर 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

# छः दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कल से

कानपुर 7 चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व में मशरूम उत्पादन तकनीक पर छःदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21सितंबर से 26 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। पादप रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए सुनहरा अवसर है।उन्होंने बताया कि हमारा देश कृषि प्रधान है और ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि के साथ-साथ अन्य उद्योगों में भी प्रशिक्षण देना जरूरी है। डॉ.श्रीवास्तव ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी।साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे। नोडल अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने आगे बताया कि प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए 1500/- रुपया पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पासपोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9839818899 एवं 8218483463 पर संपर्क करें ।

रविवारीय
कानपुर, रविवार
20 सितंबर, 2026
भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष 9
सं. 2083 वि.
वर्ष 38, अंक - 33, पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
स्वतंत्र भारत
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
epaper : epaper.swatantrabharat.net

# सीएसए में छः दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण 21 सितंबर से

**स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) कानपुर** नगर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व में मशरूम उत्पादन तकनीक पर छरूदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21सितंबर से 26 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। पादप रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोई भी व्यक्ति ;कृषकए छात्र एवं शहरी लोगद्ध जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए सुनहरा अवसर है। उन्होंने बताया कि हमारा देश कृषि प्रधान है और ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि के साथ.साथ अन्य उद्योगों में भी प्रशिक्षण देना जरूरी है। डॉणश्रीवास्तव ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टरए बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग ;प्रैक्टिकलद्ध भी कराए जाएंगे। नोडल अधिकारी डॉण् श्रीवास्तव ने आगे बताया कि प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए 1500ध् रुपया पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी ;आधार की कॉपीद्ध एवं एक स्वयं की पासपोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9839818899 एवं 8218483463 पर संपर्क करें स।

समर्थ सहारा 20/09/2026

# छः दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कल से

**कानपुर** | चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व में मशरूम उत्पादन तकनीक पर छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21सितंबर से 26 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। पादप रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए सुनहरा अवसर है।उन्होंने बताया कि हमारा देश कृषि प्रधान है और ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि के साथ-साथ अन्य उद्योगों में भी प्रशिक्षण देना जरूरी है। डॉ.श्रीवास्तव ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी।

Times Of India 20/09/2026

# 6-day training programme on mushroom tech starts tomorrow

**Kanpur:** A six-day training programme on mushroom production technology is being organised at Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology from September 21 to September 26. Head of the department of plant pathology Mukesh Srivastava said that this is a golden opportunity for any person, including farmers, students and urban residents, who want to take up mushroom cultivation or business.

"Our country is agriculture-based and to make rural youth self-reliant, it is necessary to provide training in other industries along with agriculture. After receiving training from here, people can start cultivation of Aster, Button or Milky mushroom. In the 6-day training programme, trainees will be provided technical guidance in detail" said Prof Mukesh Srivastava.

He said along with this, various practical experiments related to mushroom cultivation will also be conducted during the training. To join the training, one is required to submit Rs 1500 as registration fee along with an ID (copy of Aadhaar) and one passport-size photograph. TNN